कपास की खेती के लिए 22 से 28 जुलाई, 2019 की पाँचवी साप्ताहिक सलाह

	वास्तविक वर्षा (**मिली मी.**) भा.मौ.वि. विभाग				**अनुमानित वर्षा की स्थिति (मिली मी.)** भा.मौ.वि. विभाग							**साप्ताहिक सलाह**
	जुलाई				जुलाई							
दिनांक	**18**	**19**	**20**	**21**	**22**	**23**	**24**	**25**	**26**	**27**	**28**	
हरियाणा												
हिसार	24.2	0	0	0	0	5	0	11	91	40	3	**हरियाणा :** सिरसा में, फसल 75 से 85 दिनों की वनस्पतिक और प्रजनन अवस्था में तथा अच्छी स्थिति में है। सिरसा के किसानों के खेतों में सफ़ेद मक्खी की औसत आबादी की सीमा 9-30 प्रति 3 पत्तियाँ और हरियाणा के जींद जिले में 1-20.5 / 3 पत्तियां, थ्रिप्स 10.1-30.4 तथा तेला(लीफ होप्पर) 1.3-3.9 / 3 पत्तियों के बीच है। कुछ क्षेत्रों में पत्ती मोड़क विषाणु रोग भी देखा गया| **<u>सलाह:</u>** • सभी तीन रसचूषक कीटों का विस्तार बढ़ रहा है | किसानों को सलाह दी जाती है कि वे फसल की नियमित निगरानी करते रहें, अंत:सस्य क्रियाएँ (इंटर कल्चरल ऑपरेशन) जारी रखें तथा सफ़ेद मक्खी के शुरुआती संक्रमण का पता लगाने के लिए पीले चिपचिपे ट्रैप का उपयोग करें| • यदि किसी रसचूषक कीटों की संख्या आर्थिक हानि स्तर (ईटीएल) को पार कर जाती है तो नीम आधारित कीटनाशक @ 5 मिली / लीटर पानी के साथ छिड़काव करें | इसके उपरांत भी यदि रसचूषक कीटों की संख्या आर्थिक हानि स्तर से ऊपर दिखाई दें और यदि सफ़ेद मक्खी और थ्रिप्स का मिश्रित संक्रामण होता है तो डायफ़ेन्थियुरॉन @ 200 ग्राम प्रति एकड़ तथा फ्लोनिकेमिड @ 80 ग्राम प्रति एकड़ अथवा सफ़ेद मक्खी और तेला (लीफ होप्पर) का मिश्रित संक्रमण दिखाई देने पर डिनोटफ़्यूरान @ 60ग्राम/एकड़ का प्रयोग करें।
जींद				0	0	0	0	40	118	15	4	
सिरसा				0	0	0	0	9	8	10	0	
रोहतक	88	0	0	0	0	0	0	15	88	73	7	
राजस्थान												
अजमेर	0	14.4	0	24	0	0	24	3	11	17	45	**राजस्थान :** बांसवाड़ा में फसल 21 दिन की वनस्पतिक अवस्था में है। समीक्षाधीन अवधि के दौरान धूप का मौसम था कोई वर्षा नहीं हुई। खरपतवार प्रबंधन के लिए अंत:सस्य क्रियाएँ (इंटर कल्चरल ऑपरेशन)
जोधपुर	0	0	0	36	13	5	0	0	0	0	20	
नागौर				16	8	0	0	3	45	17	51	

पाली	0	0	0	36	33	21	35	0	0	10	24	पूरी हो चुकी है| खेतों को खरपतवार मुक्त किया जा चुका है| तेला (जेसिड) का संक्रमण आर्थिक हानि स्तर (ईटीएल) से नीचे है| फसल में कोई रोग नहीं देखा गया है| **<u>सलाह :</u>** • आने वाले अगले सप्ताह के दौरान बादल छाए रहेंगे और तेज हवा के साथ न्यूनतम वर्षा होने की संभावना है| कुल मिलाकर, वर्षा की संभावना बहुत कम है। किसानों को सलाह दी जाती है कि वे नियमित रूप से फसल की निगरानी करें और जब रसचूषक कीटों की संख्या आर्थिक हानि स्तर (ईटीएल) से ऊपर हो तो छिड़काव करें।
श्री गंगानगर	0	0	3.4	4	3	0	0	3	5	9	0	
मध्य प्रदेश												
खरगौन	0	0	0.4	13	38	58	71	20	32	20	35	**मध्य प्रदेश :** खंडवा में, फसल 25-75 दिन पुरानी वनस्पतिक अवस्था में है। समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान बादल छाए थे। आवश्यकता के अनुसार गैप फिलिंग, थिनिंग, कीटनाशक और उर्वरक का अनुप्रयोग, सिंचाई किया जा चुका है। खरपतवार का संक्रमण अधिक था। तेला (जेसिड) तथा सफ़ेद मक्खी का संक्रमण देखा गया । फसल में कोई रोग नहीं देखा गया है| <u>सलाह</u> : किसानों को सलाह दी जाती है कि वे एक सप्ताह के भीतर गैप फिलिंग और थिनिंग पूरी करें। सप्ताह के दौरान निराई और अंत:सस्य क्रियाएँ (इंटर कल्चरल ऑपरेशन) पूरी करें। उर्वरक 150: 75: 40 किलोग्राम / हेक्टेयर की दर से खेतों में डालें	25% नाइट्रोजन उर्वरक को 30 दिनों के भीतर; 25% नाइट्रोजन(N) + 50%फास्फोरस + पोटाश (P+K) 60 दिनों में तथा 25% नाइट्रोजन(N) 90 दिनों में अनुप्रयोग करें। जिन क्षेत्रों में तेला (लीफ होप्पर) तथा सफ़ेद मक्खी की संख्या आर्थिक हानि स्तर (ईटीएल) से ऊपर है वहाँ किसानों को सलाह दी जाती है की वे इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एसएल 0.3 मिली या थायोमेथाक्सम 25 डब्ल्यूजी 0.25 ग्राम या एसिटामिप्रीड 25 एसपी 0.3 ग्राम प्रति लिटर का छिड़काव करें।
धार	0	0	0	4	26	23	49	10	8	10	16	
खंडवा	0	0	0	0	0	10	15	22	31	36	33	

<5	5-20	21-50	51-80	>80

0.0 मिमी वर्षा (कोई वर्षा नहीं)।

रिक्त स्थान पर जानकारी उपलब्ध नहीं है।

स्रोत : http://imdagrimet.gov.in

(नोट: 1 जुलाई, 2019 को http://imdagrimet.gov.in से जानकारी ली गई)